अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय सीमा : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2016) | दिनांक 22.12.2016

चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

भिक्षु दृष्टांत – 40

प्र.1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 13

(क) ''तुम्हारा मुंह दिख जाने पर आदमी नरक में जाता है'' भीखणजी को यह कथन किसने कहा?

(ख) ''नाथो गण से अलग हो गया।'' इस बात पर भीखणजी ने क्या उत्तर दिया।

(ग) ''बासती'' किसे कहते हैं?

(घ) जगू गांधी ने जब भीखणजी के विचारों को स्वीकारा तो खेतसी लूणावत को बहुत ज्यादा अखरा इस संदर्भ में भिक्षु स्वामी ने क्या कहा?

(ङ) लूंका गच्छ के रतनजी यति ने एक अनाज के दाने में कितने पर्याप्ति व प्राण बताये?

(च) भीखणजी ने श्वेताम्बर शास्त्रों के आधार पर कितने वस्त्र रखने का विधान बताया?

(छ) ''एकलड़ो'' जीव की चर्चा भीखणजी से किसने और कहाँ की?

(ज) भीखणजी ने श्रावक में सात तथा आठ आत्मा किस अपेक्षा से बतायी?

(झ) ''जन्मपत्री तो बाद में बनती है'' यह कथन भीखणजी ने किस संदर्भ में कहा?

(ञ) ''गोगुंदा के भाई ठीकंरी के रूपये हैं।'' यह कथन किसने किस संदर्भ में कहा?

(ट) निक्षेप कितने व कौन–कौन से हैं?

(ठ) आचार्य भिक्षु ने साधु और असाधु किसे बताया?

(ड) आचार्य भिक्षु ने राजपथ और पगडंडी किसे बताया?

(ढ़) ''नरक में जीव जाता है उसे नीचे कौन खींचता है?'' वोरा खिंवेसरा के इस प्रश्न का भीखणजी ने क्या जवाब दिया?

(ण) आचार्य भिक्षु ने विगय खाने की मर्यादा कब और क्यों की?

प्र.2 किन्हीं दो घटना–प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें। 12

(क) केवली राज्य कैसे भोगेगा? (ख) खोलकर देने पर नहीं लेते।

(ग) यह शोभाचंद सेवक निष्पक्ष। (घ) मरने वाला डूबता है या मारने वाला।

(ड.) मोक्ष का उपकार करने वाला महान होता है।

प्र.3 किसी एक प्रश्न का उत्तर दृष्टांतों के आधार पर विस्तार से दीजिए। 15

(क) ''आचार्य भिक्षु को आहार प्राप्ति के लिए अनेक वर्षों तक असाधारण कष्ट उठाने पड़े।'' दृष्टांतों द्वारा सिद्ध करें।

(ख) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु अध्यात्म–प्रेरणा के महान स्त्रोत थे।

महासती सरदारां – 15

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्य में दीजिए। 5

(क) सरदारांजी को स्वतंत्र रूप से अग्रगण्य कब और कहाँ बनाया गया? उस चातुर्मास में उनकी निश्रा में कितनी साध्वियाँ थीं।

(ख) छेदोपस्थापनीय चारित्र स्वीकार करने की क्या प्रणाली है?

(ग) चूरु में आज्ञापत्र न मिलने पर सरदारां ने क्या–क्या संकल्प किये?

(घ) अन्तिम समय में महासती सरदारां ने किसी आलोयणा की?

प्र.5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए। 10

(क) सिद्ध करें कि महासती सरदारां सतत् संघ का योगक्षेम करने में तत्त्पर रहती थीं।

(ख) सरदारां की वैराग्य भावना पर टिप्पणी लिखें।

(ग) सिद्ध करें कि सरदारां की दीक्षा तेरापंथ के लिये स्वर्णिम युग का अरूणोदय था।

अनुकम्पा की चौपाई – 30

प्र.6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। 5

(क) राजा श्रेणिक ने नगरी में किन–किन उत्सवों पर ढिंढ़ोरा पिटवाया?

(ख) पापकार्य कितने प्रकार के हैं?

(ग) भगवान महावीर दीक्षा के पश्चात् कितने वर्षों तक छद्मस्थ रहे?

(घ) माता–पिता हेतु आध्यात्मिक उपकार क्या है?

(ड) भगवान महावीर की प्रथम देशना निष्फल क्यों गयी?

(च) किन–किन कारणों से हिंसा की जाती है?

(छ) छद्मस्थ को कितनी बातों से पहचाना जाता है? इसका वर्णन कौन से सूत्र में आया है?

प्र.7 ढ़ाल 9 का सारांश करते हुए दया धर्म के गुणों पर प्रकाश ड़ालें। 10

'अथवा'

लौकिक व लोकोतर उपकार के स्वरूप व प्रकारों की विवेचना करते हुए दो–दो दृष्टान्तों के द्वारा समझायें।

प्र.8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें। 15

(क) जो सातां नें मिश्र कहे नहीं, तो किम आवे हो इण बोल्यां री परतीत।
आप थापे आप उथपे, तो कुण मांनें हो आ सरधा विपरीत।।

(ख) त्यांसूं सरीरादिक रो संभोग टाले नें, ग्यांनादिक गुण रो राखे मेलापो।
उपदेस देइ निरदावे रहिणों, वेलो समझे नें टाले तो टलसी पापो।।

(ग) जब आर्य कहं थांनें मारयां पाप छे, तो सर्व जीव नें इमजांणो जी।
ओरां नें मारयां धर्म परूपे, थे कांय बूडो कर कर तांणो जी।।

(घ) असंजती जीवां रो जीवणों, ते सावज्ज जीतब साख्यात जी।
तिणनें देवे ते सावज्ज दांन छै, तिणमें धर्म नहीं असंमात जी।।

भिक्षुवाणी – 15

प्र.9 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें। 6

(क) ज्यूं अविनीत.....दुख पावे।। (ख) कालो नाग.....मरण वधारें।।

(ग) खोटो नांणो.....किम जाय।। (घ) सूइ नाकें.....न वेसें।।

प्र10 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें। 9

(क) ज्ञान (ख) संसार (ग) दुःषमाकाल (घ) उपदेष्टा

(ङ) धर्म